मेरा वतन

क्या से क्या हो गया,
मुल्क जो बट गया

क्यों भला मुल्क के टुकडे दो हो गये,
चाहिए थी ये कैसी आजादी
सेंकडो थे उधर, आ गए वो इधर
हजारों थे यहाँ, चल पड़े वो वहाँ.

भाई भाई जो थे वो दुश्मन बन गए,
मीट गई दोस्ती, हो गई दुश्मनी
और फना हो गया प्यार का सिलसिला
भाई चारा मीट गया
मुल्क जो बट गया.

हर तरफ खोफ का माहोल था,
लूंट गए कितने घर, कितने घर जल गए
लूंट गई किस्मते, आबरु और इज्जते
खो गई बेटीयाँ, बहन और भाई.

आसमान कांप उठा
मुल्क जो बट गया.

लूंट गई खेतियाँ, महेल और कोठीयां
कितने फूले फले गुलिस्ताँ लूंट गए
जिन्दगी हर घड़ी मौत सी बन गई
आलमे बेबसी, आलमे बेरुखी

वो दिन क़यामत सा था,
मुल्क जो बट गया.

इसीलिये, में कहती हूँ .....

प्यार बोलो प्यार बांटो प्यार से जिया करो,
नफरतों की बात छोड़ो मील के जीना सीख लो.

हम हो हिन्दू वो मुसलमान वो इसाई हो तो क्या,
सबसे पहले हम हें हिन्दी ये हकिकत जान लो.

प्यार बोलो प्यार बांटो प्यार से जिया करो,
सूफियों का साधुओं का संतो का हें ये वतन.

राम का गौतम का नानक का और चिश्ती का चमन
एकता अपनी यक़ीनन मान हें, सम्मान हें.

जात और मजहब की लड़ाई बिलकुल बेकार है,
प्यार बोलो प्यार बांटो प्यार से जिया करो .....

Misbah Pathan
BA SEM -6

माँ साथ हो तो सायाए कुदरत भी साथ है,
माँ के बगेर लगे दिन भी रात है.

बच्चों के सीतम उसे हस के कुबुल है,
बच्चों को बख्श देना ही माँ का उसुल है.

दिन - रात उसने पाल पोस के बड़ा किया,
गिरने लगी तो माँ ने मुझे फिर खड़ा किया.